चौमूं उपद्रव मामले में 19 आरोपी जयपुर कोर्ट में पेश, सभी को जेल भेजा

चौमूं थाना पुलिस ने सभी 19 आरोपियों को अवकाशकालीन न्यायालय ने पेश किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर में 25 दिसंबर की रात हुए पथराव व उपद्रव की घटना के 19 आरोपियों को रविवार को चौमूं थाना पुलिस ने जयपुर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने 8 जनवरी तक सभी 19 आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों को रविवार को जयपुर के अवकाशकालीन न्यायालय में पेश किया गया था। डीसीपी वेस्ट हनुमान प्रसाद मीणा के निर्देश पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई है। पुलिस प्रशासन ने बताया कि पथराव की घटना की जांच लगातार जारी है और अन्य संदिग्धों पर भी नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार चौमूं थाना पुलिस ने 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया है,। जिनमें मुख्तार अली पुत्र हयात अली, आकिब पुत्र शमसीर मोहम्मद, मोहसीन खान पुत्र हयात खान, उमरबेग पुत्र हमीद खान, जहीन खान पुत्र नोशाद खान, हैदर अली पुत्र शमशेर खां, समीर पुत्र शौकत अली, आबिद पुत्र अन्दाज अली, सलमान पुत्र हयात अली, अरबाज पुत्र अब्दुल रफीक, कामरान पुत्र ऐजाज, ताहिर आलम पुत्र आलम शेक, जाबाज पुत्र अतारसुल, फरदीन पुत्र नोशाद अली पठान, शाहरुख पुत्र चांद खां, फैजान खान पुत्र अंसार अली, जावेद खान पुत्र सिकन्दर, जावेद कुरैशी पुत्र इकराम, वसीम कुरैशी पुत्र नसरुदीन को गिरफ्तार किया।

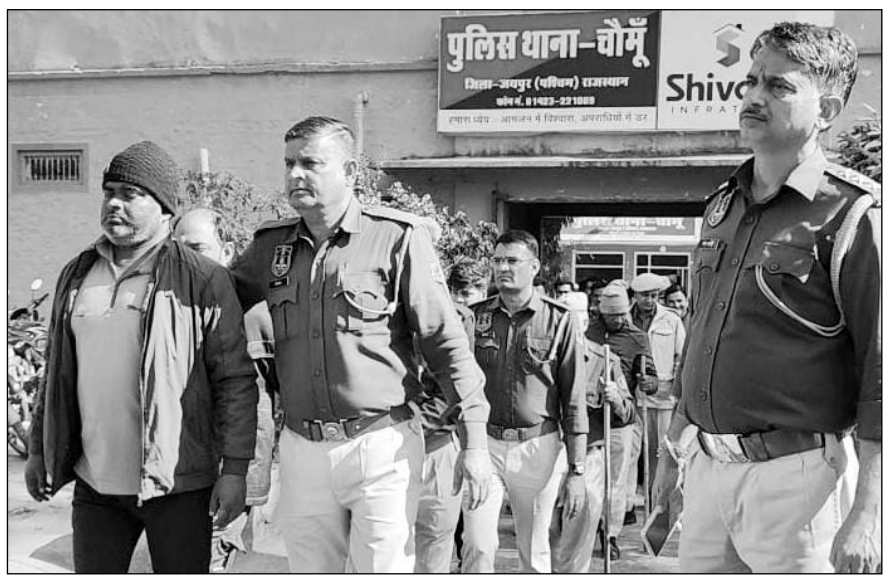

चौमूं थाना पुलिस सभी आरोपियों को लेकर जयपुर के लिये रवाना हुई।

- चौमूं में हुई पथराव की घटना को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी तेज

वहीं चौमूं में हुई पथराव की घटना को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि करीब दो दशक पहले भी चौमूं में हालात बिगड़े थे और कई दिनों तक कर्फ्यू लगाना पड़ा था। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने तुरंत संज्ञान लेकर शांति और कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए। राजेन्द्र राठौड़ ने बेहतर कार्य के लिए चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा को पुरस्कृत करने की मांग भी की। उन्होंने डोटासरा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें हर दंगे में वोट की फसल नजर आती है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

लूणकरनसर में तापमान 4.6 पहुंचा, सर्दी के तेवर तेज

- बीकानेर शहर में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में रविवार को मौसम शुष्क और साफ बना रहा। दिन में तेज धूप के कारण हल्की गर्माहट महसूस की गई, जबकि सुबह और रात के समय ठंड का असर बना रहा। मौसम में फिलहाल किसी तरह की बारिश या कोहरे की स्थिति नहीं रही। मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर शहर में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं लूणकरनसर क्षेत्र में ठंड का असर ज्यादा देखा गया, जहां न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अगर पिछले पांच दिनों के तापमान से तुलना करें तो बीकानेर में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पिछले कुछ दिनों से अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में बना हुआ था, जबकि आज यह 26.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं न्यूनतम तापमान में भी मामूली बढ़त देखने को मिली है। हालांकि लूणकरनसर में रात का तापमान पिछले पांच दिनों की तुलना में ज्यादा नीचे चला गया, जिससे वहां सर्दी का असर अधिक महसूस किया गया। कल बीकानेर में वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब से 'अनहेल्दी' श्रेणी के बीच दर्ज हुआ। बीकानेर में 27 दिसंबर को आईक्यू करीब 151 तक पहुंचा, जो स्वास्थ्य के लिए अस्वस्थ माना जाता है और संवेदनशील समूहों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। बीकानेर में मौसम स्थिर है। अगले कुछ दिनों तक तापमान में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है, हालांकि रात के समय ठंड का असर बना रह सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चौमूं उपद्रव मामले में दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर के बस स्टैंड पर गत दिनों अतिक्रमण हटाने के दौरान उपजे विवाद और पथराव की घटना को लेकर रविवार को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की। रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आश्वस्त किया कि राजस्थान में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

- पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर चौमूं के हालातों से अवगत कराया, सीएम से न्यायालय के स्थगन के बाहर हुए अवैध अतिक्रमण को हटाने और सर्च ऑपरेशन चलाने की मांग की
- सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे मामले में विधि संवत (कानूनी) और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे मामले में विधि संवत (कानूनी) और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुलाकात के दौरान न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए बताया कि उक्त विवादित स्थल पर मुंशीफ कोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने स्पष्ट माना है कि वहां कोई धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि वह सड़क पर किया गया एक अतिक्रमण मात्र है। वर्तमान में यह मामला माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन और विशेष समुदाय के बीच वार्ता के बाद, सहमति के आधार पर पत्थर हटाए जा रहे थे।

पूर्व विधायक ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 25 दिसंबर को सहमति के आधार पर पत्थर हटाने तक की कार्रवाई उचित थी, लेकिन इसके बाद समुदाय विशेष के कुछ लोगों ने न्यायालय के स्थगन वाले क्षेत्र में जबरन लोहे की बैरिकेडिंग, एंगल और टीनशेड लगाना शुरू कर दिया। इस अवैध निर्माण और न्यायालय की अवमानना के कारण स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। रामलाल शर्मा ने बताया कि जब प्रशासन ने इस अवैध निर्माण को रोकने का प्रयास किया तो उपद्रवियों ने पुलिस पर कांच की बोतलें, पत्थर और ईंटों से हमला कर दिया, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री से न्यायालय के स्थगन के दायरे से बाहर किए गए सभी अवैध निर्माणों को तुरंत हटाये जाने, शहर में बाहर से आकर रहने वाले संदिग्ध लोगों की जांच के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जाने, धार्मिक स्थलों और घरों में अवैध हथियारों की तलाश के लिए सघन चेकिंग अभियान शुरू किये जाने की मांग की।

विद्युत चोरी की जांच करने गई सतर्कता टीम पर हमला

हमले में सहायक अभियंता घायल, पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया

अलवर, (निसं)। अलवर में लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र के जावली गांव में बिजली विभाग की सतर्कता टीम पर हमला करने का मामला सामने आया है। विद्युत चोरी की जांच करने गई सतर्कता टीम पर आरोपियों ने हमला कर दिया, जिसमें सहायक अभियंता प्रमोद कुमार शर्मा घायल हो गए। इस संबंध में सहायक अभियंता की ओर से थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

रिपोर्ट में बताया कि सहायक अभियंता प्रमोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम सरकारी वाहन से सुबह करीब 7 बजकर 25 मिनट पर इन्द्रपाल मीणा पुत्र मंगूलाल मीणा निवासी जावली के घर जांच के लिए पहुंची थी। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने टीम को जांच करने से रोका और फोटो और वीडियो बनाने नहीं दिए। आरोप है कि मौके पर मौजूद लोगों ने टीम को डरा-धमकाकर भगाने का प्रयास किया। इसके बाद रेशम पत्नी मंगूलाल, अनिता पत्नी इन्द्रपाल, भानुमती सहित इन्द्रपाल मीणा एवं अन्य लोगों ने लाठी-डंडों और हाथ-मुक्कों से मारपीट की तथा सरकारी वाहन पर पत्थर फेंके। इस दौरान राजकार्य में बाधा भी उत्पन्न की गई। इस प्रकरण में सहायक अभियंता प्रमोद कुमार शर्मा पुत्र रामदयाल शर्मा, निवासी जावली, द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामला दर्ज करने से पूर्व जावली गांव पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस उपाधीक्षक के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी गई है।

लिव-इन में रह रहे प्राइवेट स्कूल संचालक की मौत

किराए के मकान में युवती के संग रहता था युवक

श्रीगंगानगर, (निसं)। किराए के मकान में युवती संग लिव-इन में रह रहे प्राइवेट स्कूल संचालक की मौत हो गई। वह अपने गांव से खाना खा कर किराए के रूम पर लौटा था। देर रात उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला जिले के कोतवाली थाना इलाके के सेतिया कॉलोनी का रविवार सुबह का है।

कोतवाली थाना सीआई पृथ्वी पाल ने बताया कि युवक की पहचान भजनलाल (29) निवासी कोनी, श्रीगंगानगर के रूप में हुई है। मामले में भजनलाल के दूर के रिश्ते में लगने वाले भतीजे वीरू ने मर्ग दर्ज करवाई है। हमने अस्पताल में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। यहां पहुंचकर जानकारी जुटाई। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। मौत के कारणों का पता पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा। फिलहाल कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

परिजनों ने बताया कि भजनलाल पीछे 4-5 साल से एक युवती के साथ रिलेशन में था और दोनों श्रीगंगानगर की सेतिया कॉलोनी में किराए के मकान में साथ रहते थे। भजनलाल शादीशुदा नहीं था और कोनी गांव में ही एक प्राइवेट स्कूल भी चलाता है। रात करीब 9 बजे वह अपने गांव कोनी से खाना खाकर श्रीगंगानगर लौटा था। देर रात सूचना मिली कि उसकी तबीयत बिगड़ गई है। सूचना पर अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि भजनलाल की मौत हो गई है। भजनलाल के पिता हरिराम गांव के सरपंच थे। वह घर का इकलौता बेटा था।

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत

- हादसा गत 24 दिसम्बर को हुआ था

बीकानेर, (निसं)। जिले के पूगल थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई है। यह घटना आरडी 682 के पास 24 दिसंबर को हुई थी। मृतक की पहचान भागनाथ के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार आरडी 682 के पास एक तेज रफ्तार बाइक सामने से आ रही दूसरी बाइक से टकरा गई थी। इस टक्कर में भागनाथ अपनी बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल भागनाथ को तुरंत बीकानेर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतक भागनाथ के भाई हरिनाथ, जो ग्राम उपनी के निवासी हैं, ने पूगल पुलिस थाने में बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

के.के. गुप्ता अब जोधपुर शहर को स्वच्छता के गुर सिखाएंगे

उदयपुर, (निसं)। स्वच्छता, पर्यावरण और जल संरक्षण के अग्रणी के रूप में अपनी पहचान रखने वाले और जनजाति अंचल की छोटी सी निकाय डूंगरपुर को स्वच्छता के दम पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले के के गुप्ता अब मरू प्रदेश राजस्थान के मारवाड़ अंचल के सबसे बड़े शहर जोधपुर में स्वच्छता अपनाए जाने और सफाई व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने के संबंध में महत्वपूर्ण टिप्स देंगे और स्वच्छता के गुर सिखाएंगे।

नगर निगम जोधपुर आयुक्त द्वारा गुप्ता को पत्र प्रेषित करते हुए जोधपुर नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ किए जाने हेतु सुझाव और प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निवेदन किया गया है। आयुक्त ने बताया कि के.के. गुप्ता द्वारा नगर परिषद डूंगरपुर में स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों की प्रशंसा पूरे राजस्थान प्रदेश में की जाती है इसलिए के.के. गुप्ता से निवेदन है कि नगर निगम जोधपुर के मुख्य सफाई निरीक्षक टीम और स्वच्छता टीम को मार्गदर्शन प्रदान करें। के.के. गुप्ता द्वारा 29 दिसंबर सोमवार को प्रात: 10 बजे जोधपुर नगर निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक ली जाएगी।

के.के. गुप्ता।

- के.के. गुप्ता से जोधपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छता संबंधित मार्गदर्शन मांगा गया
- गुप्ता आज जोधपुर नगर निगम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक लेंगे

उल्लेखनीय है कि के के गुप्ता वर्तमान में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण राजस्थान सरकार द्वारा स्टेट कोऑर्डिनेटर के पद पर नियुक्त हैं तथा शेखावाटी के प्रमुख शहर झुंझुनू सहित मंडावा और नवलगढ़ निकाय के लिए न्यायालय द्वारा न्याय मित्र नियुक्त हैं।

बजरी भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने गौवंश को कुचला

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ में मानपुरा-महुआ सड़क मार्ग पर अवैध बजरी से भरे तेज़ रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सड़क पर जा रहे गौवंश को कुचल दिया, जिससे एक गर्भवती गौवंश और उसके नवजात की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ओर आधा दर्जन गौवंश घायल हो गये। हादसे की सूचना पर माण्डलगढ़ थाना पुलिस मौक़े पर पहुँची। पशु चिकित्सक से मृतक गौवंश का पोस्टमार्टम कराया और अंतिम संस्कार किया। अन्य घायल गौवंश को महुआ गांव की गौशाला में शिफ्ट कर उपचार कराया जा रहा हैं। वहीं पुलिस द्वारा हादसे की जाँच की जा रही हैं।

मौक़े पर मौजूद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बीगोद थाना क्षेत्र के बिलिया, रलायता गाँव के पास स्थित बनास नदी में जेसीबी मशीनों से खुलेआम अवैध खनन लगातार जारी है और बजरी माफिया के वाहन दिन में तेज रफ्तार से सड़कों पर दौड़ते रहे हैं, महुआ गाँव की सड़क पर बजरी भरे वाहनों की टक्कर से कई लोग हादसे का शिकार हो चुके हैं, बजरी माफिया पूरी तरह बेकाबू नजर आ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी से बिलिया, रलायता, मानपुरा, महुआ, श्यामपुरा सड़क मार्ग पर सैकड़ों बजरी भरे ट्रैक्टर ट्रॉली रात दिन चलते हैं। पुलिस और खनिज विभाग को शिकायत करने के बावजूद भी बजरी माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती हैं। उधर पुलिस और खनिज विभाग पर्याप्त स्टाफ नहीं होने की समस्या बता कर पल्ला झाड़ लेते हैं।

- हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश

माण्डलगढ़ थाना प्रभारी घनश्याम मीणा ने बताया कि मानपुरा के पास गौवंश के साथ हादसा कारित करने वाले वाहन के बारे की किसी ने लिखित रिपोर्ट नहीं की हैं। फिर भी पुलिस टीम वाहन का पता लगाने में जुटी है और अवैध बजरी परिवहन को लेकर क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ा दी गई हैं।

जहरीले केमिकल के छिड़काव से फसल को नुकसान पहुंचा

अज्ञात व्यक्ति ने तीन बीघा सरसों की फसल में जहरीला केमिकल छिड़का, जिससे फसल झुलस गई

दतवास थाना क्षेत्र में सरसों की फसल में जहरीला केमिकल छिड़कने से फसल झुलस गई।

टोंक, (निसं)। निवाई उपखंड के दतवास थाना क्षेत्र में किसानों की सरसों की फसल को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। अज्ञात व्यक्ति ने लगभग तीन बीघा सरसों की फसल में जहरीला केमिकल छिड़क दिया, जिससे फसल झुलस गई। बाद में परिवादी ने पुलिस थाना पहुंचकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया, जिस पर दतवास थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरु की।

दतवास थाना प्रभारी हीरालाल वर्मा ने बताया पीड़ित किसानों की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर केमिकल डालने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश कर रही है और सभी पहलुओं से अनुसंधान जारी है। इस घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में नाराजगी है तथा किसानों का कहना है कि ऐसी हरकतें आर्थिक नुकसान के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में आपसी सौहार्द बिगाड़ने का भी प्रयास हैं। पुलिस ने आरोपियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है।

कोटा : मृत गायों के अवशेषों को खुले में फेंकने को लेकर हाईवे जाम किया

कोटा, (निसं)। शहर के बंधा धर्मपुरा इलाके में मृत गायों के अवशेषों को खुले में फेंकने के मामले को लेकर लोग विरोध कर रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को बड़ी संख्या में गौरक्षक व बजरंगदल कार्यकर्ता नेशनल हाईवे 27 को जाम करने पहुंचे। इस बीच पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का काफिला हैंगिंग ब्रिज के नजदीक रूक गया।

जानकारी के अनुसार पूर्व सीएम वसुंधरा राजे झालावाड़ से जयपुर जा रही थी। लोगों के प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का काफिला भी जाम में फंस गया था। वाहनों की करीब 2 किलोमीटर लंबी कतार लग गई। हाईवे जाम की सूचना मिलते ही कोटा रेंज डीआईजी राजेंद्र प्रसाद गोयल और सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस जाब्ता भी मौके पर पहुंचा और जाम को खुलवाने का प्रयास किया एवं गोरक्षकों से समझाईश की। गौरक्षक शहर में मृत गायों के निस्तारण की समस्या से नाराज होकर पदयात्रा निकाल रहे थे। जाम में फंसी पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने मौके पर उनकी समस्या को सुना और गौरक्षकों को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया, वसुंधरा राजे ने अधिकारियों को निर्देश दिए तब जाकर मामला शांत हुआ और जाम को खोला गया।

कोटा में प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लोगों ने समस्याएं बताई।

पुलिस उप अधीक्षक पंचम मनीष शर्मा ने बताया कि रविवार दोपहर को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया का काफिला गुजर रहा था। इसी दौरान मृत गायों के अवशेषों को बंधा धर्मपुरा में खुले में डालने के मामले मे निस्तारण को लेकर प्रदर्शनकारी भी बड़ी संख्या में हैंगिंग ब्रिज के नजदीक पहुंच गए। इसके चलते जाम जैसे हालात बन गए। पूर्व मुख्यमंत्री प्रदर्शनकारियों को देखकर रुक गई थीं।

प्रदर्शनकारियों में शामिल काजल किन्नर का कहना है कि वे बंधा धर्मपुरा में गौवंश के शव के साथ छेड़छाड़ के मामले में एक महीने से आंदोलन कर रहे हैं। जिला कलैक्टर को भी ज्ञापन दिया था। उन्होंने 5 दिन में पूरे मामले का निस्तारण करने की बात कही थी लेकिन कुछ नहीं हुआ। अभी भी गौवंश के अवशेष और हड्डियां वहीं पड़े हुए हैं। काजल किन्नर का कहना है कि वसुंधरा राजे ने उन्हें आश्वासन दिया कि ठेकेदार के खिलाफ नगर निगम और प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा एवं कानूनी कार्रवाई भी होगी।

- पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का काफिला भी जाम में फंसा
- वसुंधरा राजे ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि ठेकेदार के खिलाफ नगर निगम व प्रशासन कार्रवाई करेगा